शुष्क क्षेत्रों में समन्वित कृषि प्रणाली एवं उद्यान प्रबन्धन

जी. एल. बागड़ी,
एन. डी. यादव,
वी.एस. राठौड़,
एन.एस. नाथावत,
शुब्बुलक्ष्मी वी.,
शीतल के. आर.

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
प्रादेशिक अनुसंधान स्थात्र, बीकानेर-334 004 (राज.)

Scanned with CamScanner

प्रकाशक :

अध्यक्ष

भा. कृ. अनु. प. - केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान,

प्रादेशिक अनुसंधान स्थात्र, बीकानेर

वर्ष 2018

जी. एल. बागड़ी

एन. डी. यादव

वी. एस. राठौड़

एन. एस. नाथावत

शुब्बुलक्ष्मी वी.

शीतल के. आर.

वित्तीय सहयता :-

उप निदेशक कृषि एवम् पदेन परियोजना निदेशक ''आत्मा'', बीकानेर

मुद्रक :-

शील प्रिन्टर्स, रानीसर, बीकानेर

फोन नं. 0151-2520258,

मो. 9414142258, 9461879561

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

क्रमांक	शीर्षक	पेज संख्या
1.	समन्वित कृषि प्रणाली में जल प्रबंधन	5–14
2.	शुष्क क्षेत्रो में कृषि विकास हेतु सरकार की मुख्य योजनाएँ	15–32
3.	मरूस्थलीय क्षेत्रों में बागवानी अपनाकर आय बढ़ायें	33–39
4.	शुष्क क्षेत्रों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन	40–45
5.	शुष्क क्षेत्रों की फसलों में पादप हार्मोन का उपयोग	46–49
6.	समन्वित कृषि उत्पादन प्रणाली अवधारणा एवं महत्ता	50–53
7.	शुष्क क्षेत्रीय फल एंव सब्जियों में पादप रोग प्रबंधन	54–62
8.	शुष्क क्षेत्रों में समन्वित कृषि प्रणालियां एवं लाभ	63–66
9.	समन्वित कृषि प्रणाली में कृषि वानिकी का महत्त्व एवं विकास	67–72
10.	समन्वित कृषि प्रणाली में कार्बनिक खाद उत्पादन एवं उपयोग	73–79
11.	शुष्क क्षेत्रों में समन्वित कृषि प्रणाली का महत्त्व	80–83
12.	शुष्क व अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में फलों की उन्नत खेती	84–107

❐ ❐ ❐

Scanned with CamScanner